THE SALVATION ARMY

2024 अन्तरराष्ट्रीय बाल

बढ़ते

एवं युवा दिवस

वर्षिय की रूपरेखा

परिचय

"ग्रो" थीम रूपरेखा में आपका स्वागत है! यह विशेष दस्तावेज़ विकास के बारे में है और एक मसीही होने के नाते हमारे लिए इसका क्या अर्थ है। आप देखिए, विकास हमारे जीवन का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। यह बुद्धिमान, मजबूत और अधिक प्रेमपूर्ण बनने के बारे में है जबकि हम परमेश्वर का अनुसरण करते हैं और उसके बारे में और अधिक सीखते हैं।

इस दस्तावेज़ के अंदर, आपको बाइबिल की कुछ आयतें मिलेंगी जो विकास के बारे में बात करती हैं। वे हमें बताती हैं कि हमें आत्मिक रूप से बढ़ने के लिए क्या चाहिए, हम कैसे बढ़ सकते हैं, और परमेश्वर अपने राज्य का निर्माण कैसे करेगा। यह देखना आश्चर्यजनक है कि विकास हमारे जीवन और हमारे आस-पास की दुनिया पर कितना बड़ा प्रभाव डाल सकता है!

हम वास्तव में आशा करते हैं कि यह "बढ़ो" थीम रूपरेखा सहायक है और आपको आनन्दित करेगी। इसका उद्देश्य प्रेरित करना, आपको सोचने पर मजबूर करना और अपने दोस्तों और परिवार के साथ विकास के बारे में बातचीत शुरू करना है। जैसे-जैसे हम इस यात्रा को एक साथ आगे बढ़ाते हैं, आइए बाइबिल में दिए गए ज्ञान के लिए अपने हृदय और दिमाग को खोलें। यह हमें वह अद्भुत व्यक्ति बनने में मदद कर सकता है जो परमेश्वर हमें बनाना चाहता है।

तो, आइए विकास के बारे में सभी अद्भुत चीजों की तलाश और मुआयना करने का आनंद लें! यह हमारे जीवन में अविश्वसनीय चीजें कर सकता है और हमारे लिए परमेश्वर की विशेष योजना को पूरा करने में हमारी मदद कर सकता है।

बाइबिल की आयतें जो विकास को प्रदर्शित करती हैं

और उसी में जड़ पकड़ते और बढ़ते जाओ; और जैसे तुम सिखाए गए वैसे ही विश्वास में दृढ़ होते जाओ, और अधिकाधिक धन्यवाद करते रहो। (BSI- OV)

- कुलुस्सियों 2:7

जिस तरह एक पेड़ को लंबा होने और फलदार होने के लिए मजबूत जड़ों की जरूरत होती है, उसी तरह हमें भी खुद को मजबूत रखने की जरूरत है। परमेश्वर का प्रेम और सत्य हमारे जीवन के हर पहलू में फलने-फूलने के लिए पोषण है। अपने भीतर परमेश्वर के प्रेमपूर्ण और परिवर्तनकारी कार्य को, उसकी पवित्र आत्मा के माध्यम से अपनाने से, हम पूर्णता और उद्देश्य के जीवन में विकसित होंगे। और अंतिम परिणाम? हम शुक्रगुज़ारी से भर जायेंगे!

'उसने उन्हें एक और दृष्टान्त दिया : "स्वर्ग का राज्य राई के एक दाने के समान है, जिसे किसी मनुष्य ने लेकर अपने खेत में बो दिया। वह सब बीजों से छोटा तो होता है पर जब बढ़ जाता है तब सब साग-पात से बड़ा होता है; और ऐसा पेड़ हो जाता है कि आकाश के पक्षी आकर उसकी डालियों पर बसेरा करते हैं।" (BSI- OV)

- मत्ती 13:31-32

यीशु ने यह समझाने के लिए कि परमेश्वर का राज्य कैसे बढ़ सकता है, राई के दाने का दृष्टांत सुनाया। यह छोटी सी कहानी हमें बताती है कि महत्वहीन प्रतीत होने वाली शुरुआत उल्लेखनीय विस्तार का कारण बन सकती है। राई के दाने की तरह, हमारा विश्वास, कार्य और छोटे से छोटा योगदान इस दुनिया में महत्वपूर्ण प्रभाव और बदलाव लाने की क्षमता रखता है।

इन बातों के बाद यीशु गलील की झील अर्थात् तिबिरियास की झील के पार गया। और एक बड़ी भीड़ उसके पीछे हो ली क्योंकि जो आश्चर्यकर्म वह बीमारों पर दिखाता था वे उनको देखते थे। 3तब यीशु पहाड़ पर चढ़कर अपने चेलों के साथ वहाँ बैठ गया। 4यहूदियों के फसह का पर्व निकट था।

5जब यीशु ने अपनी आँखें उठाकर एक बड़ी भीड़ को अपने पास आते देखा, तो फिलिप्पुस से कहा, "हम इनके भोजन के लिये कहाँ से रोटी मोल लाएँ?" 6उसने यह बात उसे परखने के लिये कही, क्योंकि वह आप जानता था कि वह क्या करेगा।

7फिलिप्पुस ने उसको उत्तर दिया, "दो सौ दीनार की रोटी भी उनके लिये पूरी न होंगी कि उनमें से हर एक को थोड़ी थोड़ी मिल जाए।" 8उसके चेलों में से शमौन पतरस के भाई अन्द्रियास ने उससे कहा, 9"यहाँ एक लड़का है जिसके पास जौ की पाँच रोटी और दो मछलियाँ हैं; परन्तु इतने लोगों के लिये वे क्या हैं?"

10यीशु ने कहा, "लोगों को बैठा दो।" उस जगह बहुत घास थी : तब लोग जिनमें पुरुषों की संख्या लगभग पाँच हज़ार की थी, बैठ गए। 11तब यीशु ने रोटियाँ लीं, और धन्यवाद करके बैठनेवालों को बाँट दीं; और वैसे ही मछलियों में से जितनी वे चाहते थे बाँट दिया।

12जब वे खाकर तृप्त हो गए तो उसने अपने चेलों से कहा, "बचे हुए टुकड़े बटोर लो कि कुछ फेंका न जाए।" 13अत: उन्होंने बटोरा, और जौ की पाँच रोटियों के टुकड़ों से जो खानेवालों से बच रहे थे, बारह टोकरियाँ भरीं।

14तब जो आश्चर्यकर्म उसने कर दिखाया उसे वे लोग देखकर कहने लगे, "वह भविष्यद्वक्ता जो जगत में आनेवाला था निश्चय यही है।"15यीशु यह जानकर कि वे मुझे राजा बनाने के लिये पकड़ना चाहते हैं, फिर पहाड़ पर अकेला चला गया।' (BSI- OV)

क्या आपने कभी सोचा था कि एक छोटा सा बच्चा एक चमत्कार की शुरुआत कर सकता है जिससे कि 5000 से अधिक लोगों को खाना खिलाया गया? शायद नहीं। इस कहानी में, यीशु उदारता के बारे में सच्चाई प्रदर्शित करता है और हमारे पास जो कुछ भी है (कभी-कभी शाब्दिक रूप से!) उसका उपयोग करने के लिए यीशु को सौंपते हैं: तो वह इसे कई गुना बढ़ा देगा! परमेश्वर के राज्य में, सबसे तुच्छ संसाधन भी बहुतायत में परिणामित हो सकता है! क्या हम दूसरों की सेवा के लिए जो कुछ हमारे पास है उसे साझा करने को तैयार हैं? यीशु हमें चुनौती देता है और वायदा करता है कि वह हमारे सबसे छोटे उपहार को अकल्पनीय रूप से बड़े उपहार में बदल सकता है।

- ज्यूहन्ना 6:1-15
(5000 की भीड़ को भोजन कराना, समर्थन आयतें)

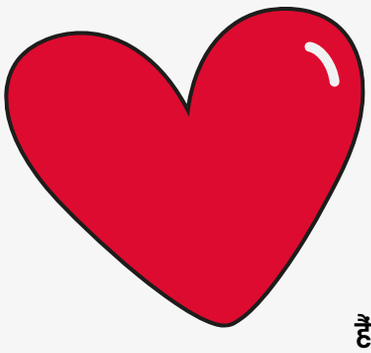

क्या आपने कभी सोचा था कि एक छोटा सा बच्चा एक चमत्कार की शुरुआत कर सकता है जिससे कि 5000 से अधिक लोगों को खाना खिलाया गया? शायद नहीं। इस कहानी में, यीशु उदारता के बारे में सच्चाई प्रदर्शित करता है और हमारे पास जो कुछ भी है (कभी-कभी शाब्दिक रूप से!) उसका उपयोग करने के लिए यीशु को सौंपते हैं: तो वह इसे कई गुना बढ़ा देगा! परमेश्वर के राज्य में, सबसे तुच्छ संसाधन भी बहुतायत में परिणामित हो सकता है! क्या हम दूसरों की सेवा के लिए जो कुछ हमारे पास है उसे साझा करने को तैयार हैं? यीशु हमें चुनौती देता है और वायदा करता है कि वह हमारे सबसे छोटे उपहार को अकल्पनीय रूप से बड़े उपहार में बदल सकता है।

ताकि हम आगे को बालक न रहें जो मनुष्यों की ठग-विद्या और चतुराई से, उन के भ्रम की युक्तियों के और उपदेश के हर एक झोंके से उछाले और इधर-उधर घुमाए जाते हों। 15वरन् प्रेम में सच्चाई से चलते हुए सब बातों में उसमें जो सिर है, अर्थात् मसीह में बढ़ते जाएँ, 16जिससे सारी देह, हर एक जोड़ की सहायता से एक साथ मिलकर और एक साथ गठकर, उस प्रभाव के अनुसार जो हर एक अंग के ठीक-ठीक कार्य करने के द्वारा उस में होता है, अपने आप को बढ़ाती है कि वह प्रेम में उन्नति करती जाए। (BSI- OV)

- इफिसियों 4:14-16 *

हम सभी बढ़ना चाहते हैं; शारीरिक, भावनात्मक और आत्मिक रूप से। बाइबिल की यह आयत हमें यह समझने में मदद करती है कि यीशु पर ध्यान केंद्रित करने से हमें उसके जैसा बनने के लिए प्रेरणा मिलेगी और हमारे विकास में मदद मिलेगी। हम परमेश्वर और दूसरों के प्रति अपने प्रेम और सेवा में बढ़ सकते हैं। लेकिन विकास टीम वर्क के बारे में भी है। हम परमेश्वर के परिवार और उसके राज्य का हिस्सा हैं, हम अकेले नहीं हैं। हमें बढ़ने के लिए एक-दूसरे की ज़रूरत है! हम सभी को दूसरों की सेवा करने और उनके विकास में सहायता करने के लिए एक विशेष उपहार दिया गया है।

* इस आयत का उपयोग 'ग्रो' नामक सामग्री में भी किया गया है, जिसे कनाडा और बरमूडा टेरिटरी द्वारा तैयार किया गया है। यह सामग्री 12-17 वर्ष की लड़कियों के लिए है और अंग्रेजी और फ्रेंच में उपलब्ध है। कुछ सामग्री का उपयोग मिश्रित समूहों के लिए भी किया जा सकता है। कृपया लीडर गाइड, प्रशिक्षण वीडियो और ग्रो पाठ्यक्रम देखने के लिए https://salvationist.ca/womens-ministries/grow/ पर जाएं। सामग्री बेहतरीन है और ग़ौर करने लायक है!